JEE Preparation to be started from class - 9th

Ad Published on : 11th April 2024

भोपाल • गुरुवार, 11 अप्रैल 2024
City भास्कर

मैजिकल क्यूआर
आज पढ़िए, छोटे मगर काम के गैजेट्स...

DB Initiative

"9वीं से शुरू होगी जेईई की तैयारी, तो बिना एक्स्ट्रा एफर्ट बेसिक्स क्लियर रहेंगे, सफलता जल्दी मिलेगी"

जेईई एक्सपर्ट **मितेश राठी** बता रहे हैं, कब और कैसे शुरू करें आईआईटी में एडमिशन की तैयारी

देश के टॉप आईआईटी में एडमिशन का सपना तो हर एक बच्चा देखता है लेकिन कई बार हमारे एक्टर्स को सही गाइडेंस न मिल पाने के कारण यह सपना पूरा होने का सपना मुश्किल हो जाता है। कई बार पेरेंट्स से लेकर बच्चे तक इस बात को लेकर कन्फ्यूज रहते हैं कि आखिर आईआईटी में एडमिशन की तैयारी शुरू कब से की जाए? क्या छठी- सातवीं से ही बच्चों पर कंप्टीटिव एग्जाम का प्रेशर डालना सही है? ऐसे ही सवालों के जवाब दे रहे हैं भोपाल में 22 सालों से आईआईटी और एनआईटी में एडमिशन की तैयारी करवा रहे मितेश राठी क्लासेज के डायरेक्टर मितेश राठी।

Q – जेईई की तैयारी का सही समय क्या है?

A – 9वीं क्लास से अगर बच्चे का फोकस प्रतियोगी परीक्षाओं की तरफ मोड़ दिया जाए, तो उनका बेस मजबूत होने में अलग से एफर्ट्स नहीं डालने पड़ते। जेईई में यूं तो 11वीं और 12वीं का ही सिलेबस आता है, मगर बेसिक्स की तैयारी 9वीं से ही होने लगती है। तो अगर बच्चा 9वीं से कोचिंग ज्वाइन कर ले, तो पढ़ाई के साथ साथ वो जेईई की लिए बिना एक्स्ट्रा एफर्ट के रेडी होता जाता है। लेकिन,अगर कोई बच्चा 9वीं में तैयारी शुरू नहीं कर पाया है, तो 11वीं में जरूर कर दे।

Q – कई बार बच्चे कोचिंग तो ज्वॉइन कर लेते हैं, मगर आखिरी तक कंफ्यूज रहते हैं कि उन्हें वाकई इंजीनियरिंग में जाना है या नहीं। ऐसी कंफ्यूजन हो तो सेल्फ असेसमेंट कैसे करें?

A – 9वीं से तैयारी में उतरने का यह भी एक फायदा होगा कि आप जल्दी समझ जाएंगे कि जेईई जैसा एग्जाम है आपका इंट्रेस्ट जॉनर है भी या नहीं। सेल्फ असेसमेंट का सबसे अच्छा तरीका है कि आप देखें कि फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथ्स तीनों में आपको कॉनसेप्ट्स कितनी आसानी से समझ में आ रहे हैं। अगर 60 फीसदी कॉन्सेप्ट भी क्लियर हो रहे हैं, तो आप जेईई का अटेम्प्ट दे सकते हैं। वैसे भी; इंजीनियरिंग के बाद स्टूडेंट्स के पास जितने करियर ऑप्शन होते हैं, उतनी बड़ी रेंज दूसरी स्ट्रीम में नहीं मिलती।

Q – किसी कोचिंग में एडमिशन लेते समय क्या चेक प्वाइंट देखें?, जिससे सही जगह बच्चे को भेजा जाए।

A – कोचिंग अच्छी है या नहीं, इसके 4 मुख्य चेक प्वाइंट्स हो सकते हैं।1 - कोचिंग के पिछले सालों का रिजल्ट। 2 - वहां कितना स्टेबल सिस्टम है, यानी कोचिंग कितने साल पुरानी है, वहां के टीचर्स क्या खुद आईआईटी/एनआईटी से हैं, टीचर्स बार बार बदलते नहीं रहते। 3 - पढ़ाई का माहौल कैसा है। 4 - बच्चों पर पर्सनल अटेंशन दिया जाता है या नहीं।

Q – जेईई की तैयारी का सही तरीका क्या है?

A – बहुत जरूरी है कि तैयारी की शुरुआत से ही तीनों सब्जेक्ट्स (फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथ्स) को बच्चे बराबर वक्त दें। इससे तीनों सब्जेक्ट्स में इंट्रेस्ट बढ़ना शुरू होगा और किसी सब्जेक्ट से फियर है, तो धीरे धीरे दूर होने लगेगा। हां, मैथ्स में क्योंकि कैलकुलेशन पार्ट बहुत ज्यादा होता है, तो थोड़ा ज्यादा समय इसको देना पढ़ सकता है। मैथ्स, फिजिक्स व केमिस्ट्री के प्रैक्टिस टाइम को 40 : 30 : 30 में डिवाइड करें। जो भी चेप्टर उठाएं , उन्हें लिख लिख कर पढ़ें। डेरिवेशन्स करते हुए प्रोब्लम भी सॉल्व करें, ताकि कॉन्सेप्ट क्लियर होता जाए।

Q – कई बार दूसरों से बेहतर परफॉर्म करने के स्ट्रेस में बच्चे ओवर स्टडी कर लेते हैं। इससे कैसे बचें?

A – ओवर स्टडी की बजाय स्टडी को लेकर भटकने से बहुत सतर्क रहने की ज़रूरत है। कई बार बच्चे इंटरनेट पर वायरल हो रहे वीडियो फॉलो करने लगते हैं और घंटों बर्बाद कर देते हैं। ध्यान रखें, ये वीडियो पापुलर होने के लिए बनाए जा रहे हैं, आपको सब्जेक्ट समझाने के लिए नहीं। तो जब भी कन्फ्यूजन हो तो ऐसे सोर्स पर जाने से बेहतर है कि क्लासरूम में या क्लास के बाद अपने टीचर से डाउट्स पूछें।

Q – पेरेंट्स की कई बार शिकायत होती है कि बच्चा हर वक्त मोबाइल ही देखता है, या पढ़ता है तो पेन पेपर लेकर नहीं पढ़ता। ये समस्याएं कैसे दूर हों?

A – यह सारी प्रॉब्लम्स बच्चे को सही कोचिंग में डालने से सुलझ जाएंगी, कोचिंग में जब स्टूडेंट्स के वीकली टेस्ट होते हैं और फिर उन्होंने क्या गलतियां कीं, उनका रिव्यू होता है, तो वे खुद ही पढ़ाई को लेकर सीरियस होने लगते हैं। फ्रेंड सर्कल भी बदल जाता है और मोबाइल का अट्रेक्शन भी कम होता जाता है।

11/4/